Principal : Dr. Manju Lalwani Pathak

Ref No: CHM (A) AC/C/01/2025
Date: 18th June 2025

CIRCULAR

The immediate attention of all concerned is invited to this office Circular No. CHM (A) AC 05/2025 dated 19th May, 2025 regarding the Choice Based and Credit Based Syllabus (CBCS) for all subjects of F.Y.B.A & T.Y.B.A. in Hindi SEM - I & SEM – V respectively.

It is hereby communicated that the recommendations of the syllabus made by the Ad-hoc Board of Studies in Hindi coordinated by the Dean, Faculty of Languages in the meeting of Academic Council held on 23rd May, 2025 vide item No. 3.3, have been accepted and subsequently passed.

In accordance, therewith, the syllabus as per the CBCS has been brought into force with effect from the academic year 2025 – 2026 and accordingly the same is attached for reference and is available on the College's website www.chmcollege.in

Ulhasnagar - 421 003
18th June, 2025

Dr. Manju Lalwani Pathak
Principal & Chairperson, Academic Council

Copy forwarded for information to:-

1) The Dean, Faculty of Humanities.
2) The Chairperson, Ad-hoc Board of Studies.
3) The Controller of Examination.
4) The Registrar

HSNC Board's

Smt. Chandibai Himathmal Mansukhani College, Ulhasnagar

(Autonomous)

Affiliated to the University of Mumbai

Bachelor of Arts

Hindi

(Aided Course)

Semester – V

Choice Based and Credit Based syllabus

with effect from the Academic Year

2025-2026

PREAMBLE

भाषा और साहित्य सामाजिक प्रवृत्तियों को स्पष्ट करने के साथ विद्यार्थियों में अनेक परिवर्तन भी लाते हैं । भाषा और साहित्य संस्कृति का एक व्यापक हिस्सा है, जिसके बिना समाज का व्यवहार असंभव होता है । भाषा से ही साहित्य की रचना होती है और मानव अपनी कोमल – कठोर अनुभूतियों को भाषा के माध्यम से ही व्यक्त करता है । जब भाषा सौन्दर्य और लालित्य पाकर रचनात्मकता की ओर बढ़ती है तो वह किसी भाषा का साहित्य बन जाता है । जब समाज साहित्य को पढ़ता है, अपनाता है तो वह समाज का अमूल्य अङ्ग बन जाता है । साहित्य में जीवन – मूल्यों के साथ शक्तिमत्ता, स्वार्थहीनता, संवेदना, अनुभूति और परोपकार जुड़ा रहता है, तब उच्चतम मानवीय मूल्यों का वास्तविक संवाहक साहित्य होता है और उच्च शिक्षा के दौरान साहित्य के माध्यम से यही समस्त गुण – मूल्य, आचरण विद्यार्थियों के मानस में उतरते हैं एवं विद्यार्थी एक बेहतर नागरिक बनने के साथ सामाजिक, राष्ट्रीय निर्माण में अपना विशेष योगदान देता है ।

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSOs)

PSO1 : विद्यार्थी को हिंदी साहित्य के इतिहास की व्यापक जानकारी प्राप्त होगी, साहित्य की अविरल धारा का परिचय प्राप्त होगा । हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं का व्यापक और क्रमबद्ध ज्ञान प्राप्त होगा ।

PSO2 : विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि होगी, कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरूचि जागृत होगी तथा रचनात्मक – कौशल को बढ़ावा मिलेगा, साहित्य के समकालीन परिवेश से जुड़ सकेंगे, सामाजिक समस्याओं, पक्षों से अवगत होते हुए समाधान की ओर बढ़ सकेंगे ।

PSO3 : विद्यार्थी जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में प्रयुक्त हिन्दी – देवनागरी लिपि के अध्ययन, प्रयोग से मीडिया, कोश निर्माण आदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे ।

Smt. Chandibai Himathmal Mansukhani College
(Autonomous)

Third Year B.A.
(Hindi)

Semester- V

Title: History of Hindi Literature

Paper IV

with effect from
Academic Year 2025-2026

Title: History of Hindi Literature

हिंदी साहित्य का इतिहास

Course Code: CHM(A)UAHIN501

Sr. No.	Heading	Particulars
1	**Description of the Course:**	भाषा का हमारे जीवन में महत्व रहता है, जब हमारी भाषा मधुर और सार्थक होती है, तो हम पर उसका विशेष प्रभाव पड़ता है, भाषा का यदि सही और सार्थक रूप से प्रयोग किया जाये तो मनुष्य जीवन में कही भी असफल नहीं हो सकता । हिंदी साहित्य का इतिहास प्राचीन काल से जुडा है, इसे मुख्य रूप से आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल से आधुनिक काल तक विभाजित किया गया है, **विद्यार्थियों** को हिंदी साहित्य की व्यापक जानकारी प्राप्त होगी ।
2	**Vertical**	--
3	**Type Teaching Method**	Theory + Practium Lecture / Discussion / Presentation / Self Study, etc.
4	**Credit**	4 Credits
5	**Hours allotted**	60 Hours
6	**Marks allotted**	100 Marks
7	**Course Objectives:** 1. विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास को बोध कराते हुए हिन्दी साहित्य के इतिहास संबंधी साहित्य के विकासक्रम, प्रवृत्तियों एवं परिवेश का परिचय कराना । 2. आधुनिक साहित्य की समाज व समीक्षा का विकास ।	
8	**Learning Outcomes**: Student will be able to **LO1**: हिंदी साहित्य के इतिहास व कालविभाजन से विद्यार्थियों को अवगत कराया जायेगा । **LO2**: आदिकालीन, भक्तिकालीन और रीतिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि तथा तत्कालीन भारत की ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आर्थिक, धार्मिक और साहित्यिक परिवेश से परिचित कराया जायेगा । **LO3**: विद्यार्थियों को तत्कालीन साहित्यिक प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय प्राप्त होगा । **LO4:** आदिकालीन, भक्तिकालीन और रीतिकालीन हिंदी साहित्य में प्रयुक्त भाषा से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे ।	

9	Syllabus
	UNIT I: • हिंदी साहित्य का इतिहास : नामकरण एवं काल, विभाजन की समस्या - • आदिकाल क) आदिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि ख) सिद्ध, नाथ, जैन एवं रासो साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ. **UNIT II:** • भक्तिकालीन क) भक्तिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि ख) संत काव्य, सूफी काव्य की सामान्य विशेषताएँ **UNIT III:** • राम भक्ति काव्य की सामान्य विशेष्ताएँ • कृष्ण भक्ति काव्य की सामान्य विशेषताएँ **UNIT IV:** • रीतिकाल क) रीतिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि ख) रीतिबद्ध , रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख प्रवृतियाँ
10	**Scheme of Examination: Papers Pattern** Paper – 100 Marks Total Marks: 100, Duration: 3 Hours Format of Question Paper All Questions are Compulsory

प्रश्न	इकाई	अंक
प्रश्न - 1 विकल्प सहित	इकाई - 1	20
प्रश्न - 2 विकल्प सहित	इकाई - 2	20
प्रश्न - 3 विकल्प सहित	इकाई - 3	20
प्रश्न - 4 विकल्प सहित	इकाई - 4	20
प्रश्न - 5 क) टिप्पणियाँ (चार में से दो) ख) वस्तुनिष्ठ प्रश्न ग) विकल्प प्रश्न	इकाई – 1 से 4	10 05 05

11	**REFERENCES :**

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र (संपादक), मयूर पेपरबैक, नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन खंडेलवाल, विनोद पुस्तक मंदिर प्रकाशन, आगरा
5. हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Smt. Chandibai Himathmal Mansukhani College
(Autonomous)

Third Year B.A.
(Hindi)

Semester- V

Title: POST INDEPENDENCE HINDI LITERATURE

Paper V

with effect from
Academic Year 2025-2026

Title: POST INDEPENDENCE HINDI LITERATURE

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य

Course Code: CHM(A)UAHIN502

Sr. No.	Heading	Particulars
1	**Description of the Course:**	विद्यार्थी को हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं का व्यापक और क्रमबद्ध ज्ञान प्राप्त होगा। नाटक और एकांकी के क्रमिक विकास को विद्यार्थी समझेंगें।
2	**Vertical**	--
3	**Type** **Teaching Method**	Theory + Practium Lecture / Discussion / Presentation / Self Study, etc.
4	**Credit**	4 Credits
5	**Hours allotted**	60 Hours
6	**Marks allotted**	100 Marks
7	**Course Objectives:** 1. विद्यार्थियों को हिन्दी की आधुनिक कालीन गद्य – पद्य विधाओं की प्रसिद्ध, प्रचलित रचनाओं एवं परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए दार्शनिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, मानवीय और नवीनतम आधुनिक जीवन- शैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना। 2. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियों के विकास से अवगत कराते हुए साहित्य के सामाजिक, मानवीय सरोकारों के साथ पर्यावरण – चेतना को समृद्ध करना।	
8	**Learning Outcomes**: Student will be able to **LO1**: एकांकी विधा का परिचय। **LO2**: हिंदी साहित्य में नाटक और एकांकी के क्रमिक विकास को स्पष्ट करना। **LO3**: अभिनय तथा संवाद कौशल से परिचय कराना	

9	Syllabus

UNIT I:

- नाटक – अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं विकास
- नाटक के तत्व एवं प्रकार

UNIT II:

- निर्धारित पाठय पुस्तक :

  क) काला पत्थर – (नाटक) – डॉ. सुरेश शुक्ल 'चन्द्र' अमन प्राकशन, कानपुर

UNIT III:

- एकांकी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं विकास
- नाटक और एकांकी में साम्य – वैषम्य

UNIT IV:

- निर्धारित पुस्तक

  क) एकांकी सुमन (एकांकी – संग्रह)

  संपादन : –

  हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय,

  मुबंई वाणी प्रकाशन 4695, 21-ए दरियागंज,

  नई दिल्ली

निर्धारित **एकांकी -**

- दीपदान - रामकुमार वर्मा
- और वह जा न सकी - विष्णु ' प्रभाकर '
- बहू की विदा - विनोद रस्तोगी
- रात के राही - ब्रज भूषण
- जान से प्यारे - ममता कालिया
- अन्वेषक - प्रताप सहगल
- नो एडमिशन - संजीव निगम

10	**Scheme of Examination: Papers Pattern** Paper – 100 Marks Total Marks: 100, Duration: 3 Hours Format of Question Paper All Questions are Compulsory

प्रश्न	इकाई	अंक
प्रश्न - 1 विकल्प सहित एक उत्तर	इकाई - 1	20
प्रश्न - 2 दोनों पुस्तकों में से विकल्प सहित दो अवतरणों में संदर्भ सहित व्याख्या	इकाई - 2	20
प्रश्न - 3 एक पुस्तक से विकल्प सहित दीर्घोत्तरी प्रश्न	इकाई - 3	20
प्रश्न - 4 एक पुस्तक से विकल्प सहित दीर्घोत्तरी प्रश्न	इकाई - 4	20
प्रश्न - 5 टिप्पणियाँ चार में से दो	इकाई – 1 से 4	20

11 **REFERENCES :**

1. 21वी शती का हिंदी उपन्यास (आलोचना) – डॉ. पुष्पपाल सिंह – पहला संस्करण – 2015 – राधाकृष्ण प्रकाशन, प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली – 110002.
2. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी – संस्करण – 2005- राजकमल प्रकाशन, प्राइवेट लिमिटेड, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली – 110002.
3. हिंदी नाटक के पांच दशक - कुसुम खेमानी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी नाटक कल और आज – केदार सिंह, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स, दिल्ली
5. हिंदी नाटक और रंगमंच : नई दिशाऐं, नए प्रश्न – गिरीश रस्तोगी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी नाटक – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. हिंदी नाटक : उद्भव विकास : डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एन्ड सन्स, दिल्ली

Smt. Chandibai Himathmal Mansukhani College
(Autonomous)

Third Year B.A.
(Hindi)

Semester- V

Title: INFORMATION TECHNOLOGY IN HINDI

Paper VI

with effect from
Academic Year 2025-2026

Title: INFORMATION TECHNOLOGY IN HINDI

हिंदी में सूचना प्रौद्योगिकी

Course Code : CHM(A)UAHIN503

Sr. No.	Heading	Particulars
1	**Description of the Course:**	विद्यार्थी को सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में होने वाले कार्यो की जानकारी देना और हिंदी में सॉफ्टवेअर बनाने वाली संस्थाओं का परिचय देना और हिंदी में रोजगारों के अवसरों को बताना।
2	**Vertical**	--
3	**Type** **Teaching Method**	Theory + Practium Lecture / Discussion / Presentation / Use of Computer, etc.
4	**Credit**	4 Credits
5	**Hours allotted**	60 Hours
6	**Marks allotted**	100 Marks
7	**Course Objectives**: 1. जनसंचार सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में हिन्दी के प्रयोग, प्रसार से अवगत कराते हुए हिंदी के माध्यम से रोजगार की संभावनाओं को विद्यार्थियों के समक्ष लाना। 2. सोशल मीडिया और बदलते हुए भारतीय परिवेश की समझ का विकास करना।	
8	**Learning Outcomes**: Student will be able to **LO1**: हिंदी के क्षेत्र सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग की जानकारी दी जायेगी । **LO2**: कम्प्यूटर और हिंदी में होने वाले विभिन्न कार्यो का परिचय दिया जायेगा । **LO3**: हिंदी के सॉफ्टवेयर बनाने वाली संस्थाओं का परिचय दिया जायेगा । **LO4:** इन्टरनेट और हिंदी की बढ़ती लोकप्रियता तथा उससे जुडे रोजगारों का परिचय दिया जायेगा	

9	**Syllabus** **UNIT I:** • सूचना प्रौद्योगिकी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और विकास • सूचना प्रौद्योगिकी : समस्याएँ, सीमाएँ और चुनौतियाँ • सूचना प्रौद्योगिकी : सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव **UNIT II:** • सूचना प्रौद्योगिकी का व्यवहार क्षेत्र : सामान्य परिचय • सूचना प्रौद्योगिकी का जनसंचार के क्षेत्र में योगदान और महत्व (हिन्दी पत्रकारिता : प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संदर्भ में) • सूचना प्रौद्योगिकी : शिक्षा के क्षेत्र में उपादेयता **UNIT III:** • सूचना प्रौद्योगिकी : हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि का वैश्विक प्रयोग • सूचना प्रौद्योगिकी : हिंदी सॉफ्टवेयर परिचय, अनुप्रयोग और महत्व • सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि के वैश्विक प्रसार में विविध संस्थानों की भूमिका योगदान (राजभाषा विभाग, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, सी-डैक पुणे, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) **UNIT IV:** • इंटरनेट और हिंदी (यूनिकोड फॉण्ट परिवर्तन, देवनागरी लिपि टाइपिंग टूल, हिंदी में ईमेल, नेट पर हिंदी विज्ञापन, हिंदी की साहित्यिक की ई – पत्रिकाएँ, हिंदी ब्लॉग) • संचार माध्यम और रोजगार की संभावनाऐं • भारत में डिजिटलाईजेशन हिंदी
10	**Scheme of Examination: Papers Pattern** Paper – 100 Marks Total Marks: 80, Duration: 2 ½ Hours Format of Question Paper All Questions are Compulsory

प्रश्न	इकाई	अंक
• कुल चार वैकल्पित दीर्घोतरी प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर अपेक्षित	इकाई – 1 से 4	60
• प्रश्न क्रमांक 5 – किन्ही चार टिप्पणियों में से दो के उत्तर अपेक्षित	इकाई – 1 से 4	20

<table>
<tr>
<td>11.</td>
<td>
Internal Examination : Continuous Evaluation : 20 Marks
<table>
<tr>
<td>सूचना : प्रकल्प – (पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर 15 से 20 प्रश्नों का प्रकल्प तैयार करना अपेक्षित है)</td>
<td>20 अंक</td>
</tr>
</table>

REFERENCES :
1. आधुनिक जनसंचार और हिंदी – हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
2. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. कम्प्यूटर और हिंदी – हरिमोहन, तक्षिशला प्रकाशन, दिल्ली
4. पत्रकारिता से मीडिया तक – मनोज कुमार, वैभव प्रकाशन, रायपुर
5. जनसंचार परिदृश्य – डॉ. नीलम राठी, रजनी राठी, उत्कर्ष प्रकाशन, दिल्ली
6. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. पी. लता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. प्रयोजनमूलक हंदी – रमेश जैन नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
8. जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
</td>
</tr>
</table>

Smt. Chandibai Himathmal Mansukhani College (Autonomous)

Third Year B.A. (Hindi)

Semester- V

Title: LITERARY CRITICISM : PROSODY & RHETORICS
Paper VII

with effect from
Academic Year 2025-2026

Title: LITERARY CRITICISM : PROSODY & RHETORICS

साहित्य समीक्षा : छंद एवं अलंकार

Course Code: CHM(A)UAHIN504

Sr. No.	Heading	Particulars
1	**Description of the Course:**	भाषा का हमारे जीवन में महत्व रहता है, जब हमारी भाषा मधुर और सार्थक होती है, तो हम पर उसका विशेष प्रभाव पड़ता है, भाषा का यदि सही और सार्थक रूप से प्रयोग किया जाये तो मनुष्य जीवन में कही भी असफल नहीं हो सकता ! विद्यार्थी अपने जीवन में भारतीय काव्यशास्त्र की व्यापक जानकारी प्राप्त करेंगें और इन्हें शास्त्रीय मानदंडों का ज्ञान प्राप्त होगा । विद्यार्थी महाकाव्य, खंडकाव्य और मुक्तककाव्य की विशेषताओं को समझेंगे ।
2	**Vertical**	--
3	**Type** **Teaching Method**	Theory + Practium Lecture / Discussion / Presentation / Self Study, etc.
4	**Credit**	4 Credits
5	**Hours allotted**	60 Hours
6	**Marks allotted**	100 Marks
7	**Course Objectives:** 1. विद्यार्थियों को पारंपरिक भारतीय काव्यशास्त्र के मानदंडों से परिचय कराते हुए, साहित्य की विभिन्न विधाओं से अवगत कराना, साहित्य के काव्यशास्त्रीय नियमों की जानकारी प्रदान करना । 2. छंद व अलंकारों को स्पष्ट करना ।	
8	**Learning Outcomes**: Student will be able to **LO1**: विद्यार्थियों को साहित्य के तत्व, हेतु तथा प्रयोजन का ज्ञान होगा । **LO2**: कला और साहित्य के संबंध का ज्ञान दिया जायेगा । **LO3**: महाकाव्य खंडकाव्य, मुक्तक काव्य और गीतिकाव्य के तत्व और विशेषताओं का ज्ञान विद्यार्थियों को प्राप्त होगा । **LO4** :मात्रिक और वार्णिक छंदों के लक्षण और उदाहरणों के ज्ञान से विद्यार्थी लाभान्वित होंगें ।	

9	**Syllabus**
	UNIT I: • **समीक्षा –** क) साहित्य : स्वरूप और परिभाषा (भारतीय एवं पाश्चात्य) ख) साहित्य के तत्व ग) साहित्य के हेतु घ) साहित्य के प्रयोजन (भारतीय एवं पाश्चात्य) **UNIT II:** • **कला –** क) स्वरूप और परिभाषा ख) कलाओं का वर्गीकरण ग) काव्य कला की श्रेष्ठता ख) कला और साहित्य का संबंध **UNIT III:** • **काव्य के रूप -** क) महाकाव्य : भारतीय एवं पाश्चात्य मान्यताओं का परिचय ख) खंडकाव्य : स्वरूप और विशेषताएँ ग) मुक्तक काव्य : स्वरूप और विशेषताएँ • गीतिकाव्य : स्वरूप और विशेषताएँ **UNIT IV:** • **छंद : सामान्य परिचय, लक्षण एवं उदाहरण –** क) मात्रिक छंद :- 1. चौपाई 2. रोला 3. दोहा 4. हरिगीतिका 5. उल्लाला 6. ताटंक ख) वार्गिक छंद :- 1. इंद्रवज्रा 2. उपेंद्रवज्रा 3. दुतविलंबित 4. भुजंगी 5. वसंततिलका 6. वंशस्थ

10	**Scheme of Examination: Papers Pattern** Paper – 100 Marks Total Marks: 100, Duration: 3 Hours Format of Question Paper All Questions are Compulsory

प्रश्न	इकाई	अंक
प्रश्न - 1 विकल्प सहित	इकाई – 1	20
प्रश्न - 2 विकल्प सहित	इकाई – 2	20
प्रश्न - 3 विकल्प सहित	इकाई – 3	20
प्रश्न - 4 विकल्प सहित	इकाई – 4	20
प्रश्न - 5 टिप्पणियाँ (चार में से दो)	इकाई – 1 से 4	20

11 **REFERENCES :**

1. रस सिद्धांत – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, एडिशन
2. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्र्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. भारतीय काव्यशास्त्र - नई व्याख्या – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद
4. हिंदी साहित्य समीक्षा - श्रीमूर्ति सुब्रह्मराय, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
5. साहित्य समीक्षा – रामरतन भटनागार, किताब महल, इलाहाबाद
6. साहित्य सहचर – हजारी प्रसाद द्विवेदी – द्विवतीय संस्करण – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. भारतीय साहित्य शास्त्र – आचार्य बलदेव उपाध्याय – प्रथम संस्करण – नंदकिशोर एन्ड सन्स प्रा. लि. वाराणसी
8. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज – राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

Smt. Chandibai Himathmal Mansukhani College
(Autonomous)

Third Year B.A.
(Hindi)

Semester- V

Title: LINGUISTICS, HINDI LANGUAGE AND GRAMMAR
Paper VIII

with effect from
Academic Year 2025-2026

Title: LINGUISTICS, HINDI LANGUAGE AND GRAMMAR
भाषा विज्ञान : हिंदी भाषा और व्याकरण

Course Code: CHM(A)UAHIN505

Sr. No.	Heading	Particulars
1	**Description of the Course:**	भाषा विज्ञान में विद्यार्थी भाषा परिवर्तन के कारणों का ज्ञान प्राप्त करेंगें, भाषा की विभिन्न रूपों और बोलियों को समझेंगें तथा संज्ञा, सर्वनाम विशेषण और क्रिया के रूपांतर के कारणों की जानकारी हासिल करेंगे। इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को भाषा तथा उसकी विशेषताओं की जानकारी प्राप्त होगी।
2	**Vertical**	--
3	**Type Teaching Method**	Theory + Practium Lecture / Discussion / Presentation / Self Study, etc.
4	**Credit**	4 Credits
5	**Hours allotted**	60 Hours
6	**Marks allotted**	100 Marks
7	**Course Objectives**: 1. विद्यार्थियों को भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन के महत्व से अवगत कराते हुए भाषा विज्ञान की उपयोगिता तथा भाषा एवं लिपि - विज्ञान के विभिन्न अंगों का व्यावहारिक परिचय कराना। 2. हिंदी वर्ण विचार को स्पष्ट करना।	
8	**Learning Outcomes**: Student will be able to **LO1** : इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थियों को भाषा तथा उसकी विशेषताओं की सामान्य जानकारी प्राप्त होगी। **LO2** : विद्यार्थी भाषा के विभिन्न रूपों तथा बोलियों का परिचय प्राप्त कर सकेंगें। **LO3** : भाषा परिवर्तन के प्रमुख कारणों की जानकारी दी जाएगी। **LO4** : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया के रूपान्तर के कारणों की जानकारी भी विद्यार्थी प्राप्त कर सकेंगें।	
9	**Syllabus** **UNIT I:** • भाषा की परिभाषा और उसकी विशेषताएँ • भाषा के विविध रूप (बोली, भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा)	

	• भाषा परिवर्तन के प्रमुख कारण **UNIT II:** • भाषा विज्ञान : परिभाषा और उपयोगिता • भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाओं का सामान्य परिचय (ध्वनि विज्ञान, शब्द विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान) **UNIT III:** • वर्ण विचार : उच्चारण की दृष्टि से हिंदी ध्वनियों का वर्गीकरण • कारक के भेद एवं उसकी विभक्तियाँ संज्ञा : रूपांतर के आधार **UNIT IV:** • सर्वनाम : कारक रचना • विशेषण : रूपांतर के आधार • क्रिया : रूपांतर के आधार (वाच्य, काल, लिंग, पुरूष और वचन के आधार पर)
10	**Scheme of Examination: Papers Pattern** Paper – 100 Marks Total Marks: 100, Duration: 3 Hours Format of Question Paper All Questions are compulsory

प्रश्न	इकाई	अंक
प्रश्न - 1 विकल्प सहित	इकाई – 1	20
प्रश्न - 2 विकल्प सहित	इकाई – 2	20
प्रश्न - 3 विकल्प सहित	इकाई – 3	20
प्रश्न - 4 विकल्प सहित	इकाई – 4	20
प्रश्न - 5 टिप्पणियाँ (चार में से दो)	इकाई – 1 से 4	20

11 **REFERENCES :**

1. हिंदी व्याकरण : पं. कामता प्रसाद गुरू, नागरीप्रचारिणी सभा, काशी
2. भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. हिंदी भाषा और लिपि : डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
4. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र : डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्र्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, दीप्ति शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. व्यावहारिक हिंदी व्याकारण : श्यामचन्द्र कपूर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

Smt. Chandibai Himathmal Mansukhani College
(Autonomous)

Third Year B.A.
(Hindi)

Semester- V

Title: IDEOLOGICAL BACKGROUND OF MODERN HINDI LITERATURE

Paper IX

with effect from
Academic Year 2025-2026

Title: IDEOLOGICAL BACKGROUND OF MODERN HINDI LITERATURE

आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

Course Code: CHM(A)UAHIN506

Sr. No.	Heading	Particulars
1	**Description of the Course:**	इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को भारतीय नवजवानों के योगदानों के बारे में बताना और गांधीवाद, मार्क्सवाद जैसे सिद्धांतों का साहित्य पर पढ़ने वाले प्रभाव की जानकारी विदयार्थियों को देना।
2	**Vertical**	--
3	**Type Teaching Method**	Theory + Practium Lecture / Discussion / Presentation / Self Study, etc.
4	**Credit**	4 Credits
5	**Hours allotted**	60 Hours
6	**Marks allotted**	100 Marks
7	**Course Objectives:** 1. सामाजिक परिवर्तन हेतु वैचारिक प्रसार को अवगत कराते हुए विविध नव्य सामाजिक वैचारिक आंदोलनों की पृष्ठभूमि विविध विमर्शों को दर्शाना तथा साहित्य पर पड़े उनके प्रभावों से अवगत कराना। 2. मार्क्सवाद एवं गांधीवाद के माध्यम से विद्यार्थियों में जागरूकता लाना।	
8	**Learning Outcomes:** Student will be able to **LO1 :** भारतीय नवजागरण के योगदानों का परिचय दिया जायेगा । **LO2 :** गांधीवाद, मार्क्सवाद जैसे सिद्धांतों का समाज और साहित्य पर पडने वाले प्रभाव की जानकारी विद्यार्थी प्राप्त कर सकेंगे । **LO3 :** स्वतंत्रता पूर्व भारत में राष्ट्रीय चेतना में पत्र पत्रिकाओं के योगदान की जानकारी विद्यार्थियों को दी जाएगी ।	

9	**Syllabus**
	UNIT I: • भारतीय नवजागरण आंदोलन और हिंदी साहित्य पर उसका प्रभाव (सामाजिक दृष्टि से होने वाले वैचारिक एवं व्यावहारिक बदलाव के विशेष संदर्भ में) • भारतीय नवजागरण आंदोलन (ब्रह्म समाज,प्रार्थना समाज, रामकृष्ण मिशन, शियोसोफिकल सोयायटी, सत्यशोधक समाज का सामान्य परिचय एवं मान्यताएँ) • आर्य समाज के सामाजिक - दार्शनिक सिद्धांतों का हिंदी कविता एवं उपन्यास पर प्रभाव **UNIT II:** • गांधीवाद सामान्य परिचय एवं प्रमुख सिद्धान्त • गांधीवादी चिंतन का हिंदी कविता पर प्रभाव • गांधीवादी चिंतन का हिंदी उपन्यास पर प्रभाव **UNIT III:** • मार्क्सवाद सामन्य परिचय एवं प्रमुख सिद्धांत • मार्क्सवाद का हिंदी कविता पर प्रभाव • मार्क्सवाद का हिंदी कथा साहित्य पर प्रभाव **UNIT IV:** • राष्ट्रीय चेतना के विकास में हिंदी पत्र – पत्रिकाओं का योगदान (कवितवचन सुधा, हरिशचंद्र चन्द्रिका, भारतमित्र, आनंद कादंबिनी, सरस्वती, प्रभा, चांद, माधुरी और मतवाला के विशेष संदर्भ में)
10	**Scheme of Examination: Papers Pattern** Paper – 100 Marks Total Marks: 80, Duration: 2 ½ Hours Format of Question Paper All Questions are compulsory

• कुल चार वैकल्पित दीर्घोतरी प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर अपेक्षित	इकाई – 1 से 4	60
• प्रश्न क्रमांक 5 – किन्ही चार टिप्पणियों में से दो के उत्तर अपेक्षित	इकाई – 1 से 4	20

Internal Examination : Continuous Evaluation : 20 Marks

सूचना : प्रकल्प – (पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर 15 से 20 प्रश्नों का प्रकल्प तैयार करना अपेक्षित है)	20 अंक	

11	**REFERENCES :**
	1. हिंदी साहित्य में प्रतिबिम्बित चिंतन प्रवाह : सुधाकर गोकाकर और गो. रा. कुलकर्णी – पहला संस्करण – 1976 फडके बुक सेलर्स, कोल्हापुर – 416 012 2. मार्क्सवाद – यशपाल – पहला संस्करण – 2017 – लोकभारती प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली – 110 002 3. हिंदी पत्रकारिता – डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र – संस्करण – 2011 – भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली – 110 003 4. भारतीय पत्रकारिता कोश – विजय दत्त श्रीधर – संस्करण – 2008 – वाणी प्रकाशन – 21-ऐ – दरियागंज, नई दिल्ली - 110 002 5. मार्क्सवाद और साहित्य – शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 6. गाँधी जी की देन – डॉ. राजेंद्र प्रसाद, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली 7. मार्क्सवाद साहित्य चिंतन – शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Department of Hindi

Sr No	Name of the Faculty	Designation and College	Signature
1.	Dr. Bhavana M Rochlani	I/C HOD & Assistant Professor, Smt. CHM College	[signature]

Name & Signature of the Ad-hoc BoS Chairperson: Bhavna M. Rochlani [signature]

Name & Signature of the Dean: PRATIMA DAS [signature]

SMT. CHANDIBAI HIMATHMAL MANSUKHANI COLLEGE ULHASNAGAR 421 003.